



Deepak Mishra

09 Feb 2004

12:45 AM

Uttarkashi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121860104

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
8-09/02/2004 : _____ जन्म तिथि _____ : **08/02/2026**
 रवि-सोमवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 00:45:00 : _____ जन्म समय _____ : 16:13:55 घंटे
 घटी 44:11:48 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 22:55:23 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Uttarkashi : _____ स्थान _____ : Uttarkashi
 उत्तर 30:44:00 : _____ अक्षांश _____ : 30:44:00 उत्तर
 पूर्व 78:19:00 : _____ रेखांश _____ : 78:19:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:16:44 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:16:44 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:04:16 : _____ सूर्योदय _____ : 07:03:45
 17:58:43 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:58:27
 23:54:41 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:25
 तुला : _____ लग्न _____ : कर्क
 शुक्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : चन्द्र
 सिंह : _____ राशि _____ : तुला
 सूर्य : _____ राशि-स्वामी _____ : शुक्र
 पू०फाल्गुनी : _____ नक्षत्र _____ : स्वाति
 शुक्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : राहु
 4 : _____ चरण _____ : 3
 सुकर्मा : _____ योग _____ : गण्ड
 वणिज : _____ करण _____ : बव
 दू-दूंगर : _____ जन्म नामाक्षर _____ : रो-रोहिणी
 कुम्भ : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : कुम्भ
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 वनचर : _____ वश्य _____ : मानव
 मूषक : _____ योनि _____ : महिष
 मनुष्य : _____ गण _____ : देव
 मध्य : _____ नाडी _____ : अन्त्य
 श्वान : _____ वर्ग _____ : मृग
 22 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 23

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
विशाखा	2	23:23:21	तुला			लग्न			कर्क	04:19:17	1	पुष्य
धनिष्ठा	1	25:27:00	मक			सूर्य			मक	25:27:00	1	धनिष्ठा
पू०फाल्गुनी	4	24:55:37	सिंह			चंद्र			तुला	13:35:47	3	स्वाति
अश्विनी	3	09:30:41	मेष			मंगल		अ	मक	18:20:32	3	श्रवण
उत्तराषाढा	4	08:32:40	मक			बुध			कुंभ	08:23:26	1	शतभिषा
पू०फाल्गुनी	3	23:01:13	सिंह व			गुरु व			मिथु	22:22:04	1	पुनर्वसु
उ०भाद्रपद	1	06:13:54	मीन			शुक्र			कुंभ	03:17:33	3	धनिष्ठा
आर्द्रा	2	13:05:02	मिथु व			शनि			मीन	05:10:37	1	उ०भाद्रपद
भरणी	3	21:16:05	मेष व			राहु			कुंभ	14:54:16	3	शतभिषा
विशाखा	1	21:16:05	तुला व			केतु			सिंह	14:54:16	1	पू०फाल्गुनी
शतभिषा	1	08:06:45	कुंभ			मु			सिंह	23:23:21	4	पू०फाल्गुनी

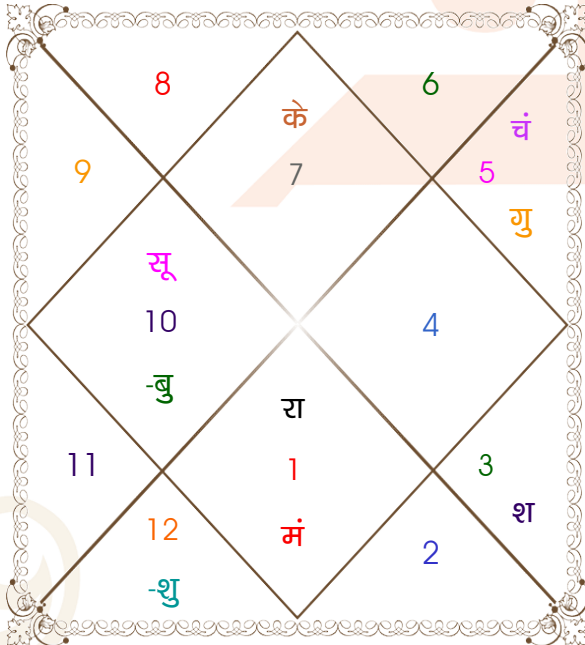
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

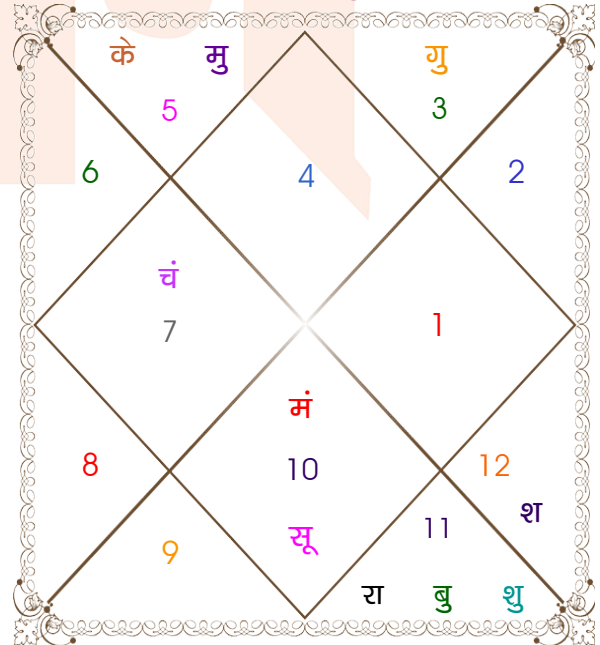
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - बुध - बुध 20/03/2026 12:20 10/05/2026 19:50	मंगल - बुध - केतु 10/05/2026 19:50 31/05/2026 22:56	मंगल - बुध - शुक्र 31/05/2026 22:56 31/07/2026 07:45	मंगल - बुध - सूर्य 31/07/2026 07:45 18/08/2026 10:24
बुध 27/03/2026 18:48 केतु 30/03/2026 18:38 शुक्र 08/04/2026 07:53 सूर्य 10/04/2026 21:28 चंद्र 15/04/2026 04:05 मंगल 18/04/2026 03:56 राहु 25/04/2026 20:39 गुरु 02/05/2026 16:51 शनि 10/05/2026 19:50	केतु 12/05/2026 01:25 शुक्र 15/05/2026 13:56 सूर्य 16/05/2026 15:17 चंद्र 18/05/2026 09:33 मंगल 19/05/2026 15:08 राहु 22/05/2026 19:11 गुरु 25/05/2026 14:48 शनि 28/05/2026 23:06 बुध 31/05/2026 22:56	शुक्र 11/06/2026 00:24 सूर्य 14/06/2026 00:50 चंद्र 19/06/2026 01:35 मंगल 22/06/2026 14:05 राहु 01/07/2026 15:25 गुरु 09/07/2026 16:36 शनि 19/07/2026 05:59 बुध 27/07/2026 19:14 केतु 31/07/2026 07:45	सूर्य 01/08/2026 05:29 चंद्र 02/08/2026 17:42 मंगल 03/08/2026 19:04 राहु 06/08/2026 12:16 गुरु 08/08/2026 22:13 शनि 11/08/2026 19:02 बुध 14/08/2026 08:36 केतु 15/08/2026 09:58 शुक्र 18/08/2026 10:24
मंगल - बुध - चंद्र 18/08/2026 10:24 17/09/2026 14:49	मंगल - बुध - मंगल 17/09/2026 14:49 08/10/2026 17:54	मंगल - बुध - राहु 08/10/2026 17:54 02/12/2026 01:51	मंगल - बुध - गुरु 02/12/2026 01:51 19/01/2027 08:54
चंद्र 20/08/2026 22:46 मंगल 22/08/2026 17:02 राहु 27/08/2026 05:41 गुरु 31/08/2026 06:17 शनि 05/09/2026 00:59 बुध 09/09/2026 07:36 केतु 11/09/2026 01:51 शुक्र 16/09/2026 02:36 सूर्य 17/09/2026 14:49	मंगल 18/09/2026 20:24 राहु 22/09/2026 00:27 गुरु 24/09/2026 20:04 शनि 28/09/2026 04:22 बुध 01/10/2026 04:12 केतु 02/10/2026 09:47 शुक्र 05/10/2026 22:17 सूर्य 06/10/2026 23:39 चंद्र 08/10/2026 17:54	राहु 16/10/2026 21:30 गुरु 24/10/2026 03:21 शनि 01/11/2026 17:49 बुध 09/11/2026 10:32 केतु 12/11/2026 14:36 शुक्र 21/11/2026 15:55 सूर्य 24/11/2026 09:07 चंद्र 28/11/2026 21:47 मंगल 02/12/2026 01:51	गुरु 08/12/2026 12:23 शनि 16/12/2026 03:54 बुध 23/12/2026 00:06 केतु 25/12/2026 19:43 शुक्र 02/01/2027 20:54 सूर्य 05/01/2027 06:51 चंद्र 09/01/2027 07:26 मंगल 12/01/2027 03:03 राहु 19/01/2027 08:54
मंगल - बुध - शनि 19/01/2027 08:54 17/03/2027 17:17	मंगल - केतु - केतु 17/03/2027 17:17 26/03/2027 10:05	मंगल - केतु - शुक्र 26/03/2027 10:05 20/04/2027 06:40	मंगल - केतु - सूर्य 20/04/2027 06:40 27/04/2027 17:38
शनि 28/01/2027 10:50 बुध 05/02/2027 13:49 केतु 08/02/2027 22:07 शुक्र 18/02/2027 11:30 सूर्य 21/02/2027 08:20 चंद्र 26/02/2027 03:01 मंगल 01/03/2027 11:19 राहु 10/03/2027 01:46 गुरु 17/03/2027 17:17	केतु 18/03/2027 05:28 शुक्र 19/03/2027 16:16 सूर्य 20/03/2027 02:43 चंद्र 20/03/2027 20:07 मंगल 21/03/2027 08:17 राहु 22/03/2027 15:37 गुरु 23/03/2027 19:27 शनि 25/03/2027 04:31 बुध 26/03/2027 10:05	शुक्र 30/03/2027 13:31 सूर्य 31/03/2027 19:21 चंद्र 02/04/2027 21:04 मंगल 04/04/2027 07:52 राहु 08/04/2027 01:21 गुरु 11/04/2027 08:54 शनि 15/04/2027 07:21 बुध 18/04/2027 19:52 केतु 20/04/2027 06:40	सूर्य 20/04/2027 15:37 चंद्र 21/04/2027 06:32 मंगल 21/04/2027 16:58 राहु 22/04/2027 19:49 गुरु 23/04/2027 19:41 शनि 25/04/2027 00:01 बुध 26/04/2027 01:22 केतु 26/04/2027 11:49 शुक्र 27/04/2027 17:38

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्धेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

._*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक उद्विग्नता तथा चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा सन्तुष्टि इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा परस्पर कलह एवं विवाद भी उत्पन्न होंगे। साथ ही आपका सम्मान भी मध्यम रहेगा। मित्र एवं संबन्धियों से भी कोई मतभेद या तनाव हो सकता है। संतति पक्ष से इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष भी इस समय आपके लिए अनावश्यक समस्याएं या व्यवधान भी उत्पन्न कर सकता है। आपका दाम्पत्य जीवन इस समय मध्यम रहेगा तथा स्त्री से कोई मतभेद या तनाव का वातावरण रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा व्यापार में इस समय आपके उन्नति तथा सफलता के मार्ग में व्यवधान आएंगे साथ ही लाभ मार्ग भी अवरुद्ध होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति में भी विलम्ब होगा तथा अनावश्यक व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। इस समय आपका विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा परन्तु आर्थिक स्थिति भी सन्तोष प्रद रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। अतः ऐसे समय में आपको इनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए जिससे कोई समस्या उत्पन्न न हो सके। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा अतः धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्धिहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्टान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रुचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रुचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात् आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।